कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच इलेक्ट्रिक वाहन अब विकल्प से आगे बढ़कर बन रहे भविष्य की जरूरत बन रहे हैं। ईरान युद्ध के कारण मार्च माह में अब तक इलेक्ट्रिक कारों और दोपहिया वाहनों की बिक्री में दर्ज किया गया है बड़ा उछाल

ईंधन की महंगाई के डर ने ईवी की मांग बढ़ाई

पश्चिम एशिया में एक माह से ज्यादा समय से जारी अमेरिका-इजराइल और ईरान संघर्ष ने वैश्विक तेल बाजार और ऑटोमोबाइल उद्योग को बुरी तरह प्रभावित किया है। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और हॉर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने से दुनिया भर में गहराते पेट्रोल-डीजल तथा गैस के संकट को देखते हुए लोगों की मांग इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की तरफ मुड़ती नजर आ रही है। भविष्य में ईंधन की कीमतें तेजी से बढ़ने की आशंका के कारण उपभोक्ता पेट्रोल-डीजल या सीएनजी कारों का मोह छोड़कर इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर रुख कर रहे हैं। हालांकि देश में पेट्रोल-डीजल या सीएनजी की खुदरा कीमतें नहीं बढ़ी हैं, लेकिन लोगों को डर है कि आने वाले दिनों में दाम बढ़ाए जा सकते हैं। उनकी इस आशंका की झलक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और कार डीलरों से मिल रही है। बीते 15 दिनों में नई ईवी के लिए पूछताछ में 30 फीसदी तक की वृद्धि दर्ज की गई है। आटो सेक्टर विशेषज्ञ भी मौजूदा हालात में ईवी और प्लग-इन हाइब्रिड-इलेक्ट्रिक वाहनों (पीएचईवी) के साथ इलेक्ट्रिक दो पहिया वाहनों की मांग बढ़ने से इंकार नहीं कर रहे हैं।

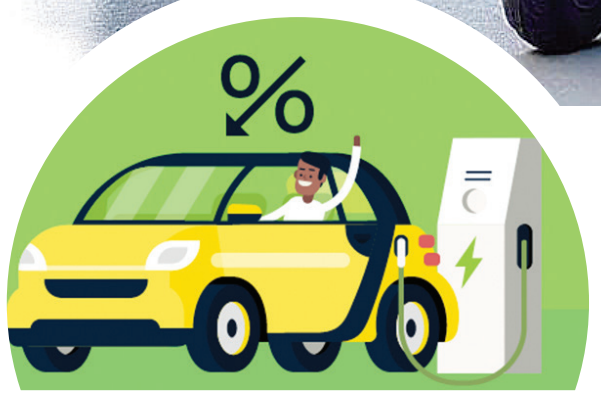

30%
नई ईवी की मांग में और पुरानी ईवी की मांग में 15 फीसदी की वृद्धि हुई है।

20%
की वृद्धि हुई है इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए होम चार्जर की मांग में

1.38
लाख यूनिट्स हो चुकी इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की बिक्री मार्च माह में

2025
में लगभग 13 लाख इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बिके थे देश में

बैटरी चार्ज करें, फास्ट चार्जिंग जरूरत पर ही अपनाएं

- इलेक्ट्रिक वाहन में सबसे जरूरी पार्ट उसकी बैटरी होती है। कई कार कंपनियां ईवी की बैटरी पर लाइफटाइम वारंटी देती हैं। इससे बड़ी खराबी आने पर परेशान होने की जरूरत नहीं होती है। लेकिन, फिर भी कुछ छोटी-मोटी बातों का ध्यान रखकर ग्राहक बैटरी की क्षमता और कार्यकुशलता बढ़ा सकते हैं। जैसे कार की बैटरी को हर समय 100 फीसदी चार्ज रखना जरूरी नहीं है। स्मार्ट फोन की तरह ही इसे आप 80 फीसदी तक चार्ज रख सकते हैं। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि बैटरी पूरी तरह डिस्चार्ज न होने पाए। 20 फीसदी से कम चार्जिंग होते ही बैटरी को चार्जर से कनेक्ट कर दें।
- कई इलेक्ट्रिक कारों में फास्ट चार्जिंग की सुविधा होती है, जिससे उन्हें आधा या पौन घंटे में ही चार्ज किया जा सकता है, जबकि साधारण चार्जर से कार को फुल चार्ज करने में सात घंटे का समय लगता है। फास्ट चार्जिंग की सुविधा अच्छी है लेकिन, इसका इस्तेमाल हमेशा नहीं करना चाहिए। फास्ट चार्जिंग में बैटरी को कम समय में बहुत ज्यादा पावर दी जाती है, जिससे हीट जेनरेट होती है और यह हीट समय के साथ बैटरी की क्षमता को प्रभावित करती है। ऐसे में समय नहीं हो और लंबी यात्रा पर जाना हो, तभी फास्ट चार्जर का इस्तेमाल करना चाहिए।

ईवी कंपनियां जल्द ला सकती बैटरी-एज-ए-सर्विस मॉडल

- ईवी निर्माता कंपनियों ने भी लोगों का रुझान देखते हुए नई रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। इसमें बैटरी-एज-ए-सर्विस मॉडल को अपनाने की बात कही जा रही है, जिसमें ग्राहक को बैटरी की पूरी कीमत एक साथ नहीं देनी होगी। इस कदम से ईवी खरीदना पेट्रोल कार जितना सस्ता हो जाएगा। सरकार भी युद्ध की स्थिति को देखते हुए देश में ही बैटरी सेल बनाने पर अधिक जोर दे रही है ताकि बाहरी देशों पर निर्भरता कम की जा सके। वैसे भी भारत सरकार का लक्ष्य है कि 2030 तक सभी नए वाहनों की बिक्री का कम से कम 30 फीसदी हिस्सा ईवी हो, ऐसे में वर्तमान संकट इस बदलाव को और गति देगा, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है।

23 दिन में 11 हजार इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री

- कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता के कारण मार्च माह के 23 दिनों में ही इलेक्ट्रिक वाहनों का पंजीकरण पिछले साल के मार्च माह के कुल आंकड़ों का 90 फीसदी से अधिक हो चुका है। आंकड़ों के अनुसार 11 हजार से अधिक इलेक्ट्रिक कारों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है, साल 2025 के मार्च माह में कुल 12,356 इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री हुई थी। इसी अवधि में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की बिक्री करीब 1.38 लाख यूनिट्स हो चुकी है, जो पिछले साल इसी महीने में कुल बिक्री 1.31 लाख से काफी अधिक है।

पिछले साल से 20% उछाल का अनुमान

- पुरानी कारों का कारोबार करने वालों की मानें तो युद्ध के कारण कार खरीदने का ट्रेंड भी बदलता नजर आ रहा है। बाजार में यूज्ड ईवी के लिए पूछताछ और मांग बढ़ गई है। युद्ध और लंबा खिंचता है, तो यह बदलाव आने वाले समय में और रफ्तार पकड़ सकता है। ऑटो बाजार के आंकड़ों के मुताबिक देश में साल 2025 में लगभग 13 लाख इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बिके थे, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10 फीसदी से अधिक की वृद्धि थी। यदि खुदरा ईंधन की कीमतें बढ़ती हैं, तो इस वर्ष यह वृद्धि दर 20 फीसदी से अधिक रहने की उम्मीद लगाई जा रही है।

मनोज त्रिपाठी, कानपुर

काम की बात

ड्राइविंग टिप्स

- यू-टर्न लेते समय हमेशा पहले गियर का इस्तेमाल करें। मुड़ने से पहले गाड़ी को थोड़ा बाईं ओर (सफेद पट्टी के पास) ले जाएं ताकि मुड़ने के लिए पर्याप्त जगह मिल सके। इसी तरह टर्न सिग्नल्स पर मुड़ने से पहले हमेशा इंडिकेटर का प्रयोग करें और शीशों में पीछे से आने वाले वाहनों को देखें। हाईवे पर अपनी लेन में रहें और ओवरटेक करते समय सावधानी बरतें। लंबी यात्रा के दौरान हर तीन घंटे में ब्रेक जरूर लें।

क्लच पैडल की सेटिंग

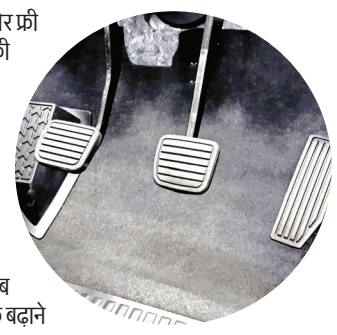

- अगर क्लच पैडल की हाइट और फ्री प्ले सही नहीं है तो कई तरह की समस्याएं हो सकती है, जैसे क्लच स्लिप होना, गियर बदलने में दिक्कत आना, इंजन पर एक्स्ट्रा दबाव और क्लच प्लेट और अन्य पार्ट्स जल्दी खराब होना। इन समस्याओं को नजरअंदाज करने पर क्लच पूरी तरह खराब हो सकता है। क्लच की लाइफ बढ़ाने के लिए बेवजह क्लच पर पैर रखकर न चलाएं, ब्रेक लगाते समय हर बार क्लच न दबाएं, सिग्नल पर गाड़ी न्यूट्रल में रखें। चढ़ाई पर क्लच की बजाय हैंड ब्रेक का इस्तेमाल करें।

इस तरह रखें ख्याल

- गर्मियों में कार को कोशिश करें कि कवर्ड पार्किंग, पेड़ या बिल्डिंग की छाया में खड़ी करें। इससे कार का केबिन ज्यादा गर्म नहीं होगा। इसी तरह धूप में तपती कार में बैठते ही तुरंत एसी न चलाएं। पहले विंडो नीचे करें या डोर खोलकर एक मिनट रुकें, ताकि अंदर की गर्मी बाहर निकल जाए, इसके बाद एसी चालू करके उसे धीरे-धीरे बढ़ाएं। इसी तरह कार की विंडो पर सनशेड भी लगाकर बाहर की गर्मी रोक सकते हैं।

गर्मियों में कार मेंटेनेंस

- कूलेंट स्तर, बैटरी, टायर प्रेशर और एसी की जांच नियमित रूप से करें। डैशबोर्ड को ढकें, और इंजन को ठंडा रखने के लिए सही कूलेंट का इस्तेमाल करें। इंजन को ओवरहीटिंग और पेंट को खराब होने से बचाएं।कूलेंट स्तर, बैटरी, टायर प्रेशर और एसी की जांच नियमित रूप से करें।

रॉयल एनफील्ड की नई गुरिल्ला-450 स्मार्ट और स्पोर्टी

मिडसाइज मोटरसाइकल सेगमेंट में दुनिया की नंबर एक कंपनी रॉयल एनफील्ड ने देश में अपनी नई गुरिल्ला-450 लॉन्च कर दी है। यह अपडेटेड मॉडल बाइक हिमालयन 450 वाले दमदार प्लेटफॉर्म पर आधारित है, लेकिन इसे सड़क पर तेज और आरामदायक राइडिंग के लिए डिजाइन किया गया है। कंपनी ने ग्राहकों के फीडबैक को ध्यान में रखते हुए इसमें कई सुधार करके इस बाइक को पहले से ज्यादा आधुनिक बना दिया है। नया मॉडल ज्यादा अग्रेसिव लुक और बेहतर टायरों के साथ नई खूबियों से लैस है। इसमें पीछे की सीट पर एक सीट काउल दिया गया है, जिसे हटाकर आप पीछे सवारी बैठा सकते हैं। इस बार कंपनी ने लाइनअप में एक नया एपेक्स वेरिएंट भी जोड़ा है। यह उन लोगों के लिए है जिन्हें स्पोर्टी लुक और आक्रामक राइडिंग पोजीशन पसंद है। यह खासतौर पर उन युवाओं को आकर्षित करेगा जो शहर के भीतर एक पावरफुल और स्टाइलिश बाइक चलाना चाहते हैं। गुरिल्ला 450 की एक्स-शोरूम कीमत 2.49 लाख रुपये से 2.72 लाख रुपये के बीच रखी गई है। इसे चार मुख्य वेरिएंट्स एनालॉग, डैश, फ्लैश और एपेक्स में पेश किया गया है। बाइक की बुकिंग शुरू हो चुकी है और बिक्री 31 मार्च से शुरू करने के लिए कहा जा रहा है।

केटीएम 350 ड्यूक और एडवेंचर अगले माह होंगी लॉन्च

आस्ट्रियाई मोटरसाइकिल ब्रांड केटीएम एक बार फिर बाइक बाजार में हलचल मचाने को तैयार है। नई केटीएम 350 ड्यूक और 350 एडवेंचर अगले माह लॉन्च होने वाली है। देश में 350 सीसी इंजन वाली मोटरसाइकिलों की मांग पिछले साल लागू किए गए संशोधित जीएसटी ढांचे के कारण अचानक बढ़ी है। नए कर कानूनों में 350 सीसी से अधिक इंजन क्षमता वाली मोटरसाइकिलों को विलासिता की वस्तु माना जाता है, और उन पर 40 फीसदी कर लगता है, जबकि 350 सीसी या उससे कम इंजन क्षमता वाली मोटरसाइकिलों पर 18 फीसदी कर देय है। केटीएम 390 ड्यूक में 399 सीसी का इंजन लगा होने से यह 40 फीसदी कर के दायरे में आती है। ऐसे में इंजन का डिस्प्लेसमेंट घटाकर 350 सीसी से थोड़ा नीचे लाकर केटीएम ने कर में 22 फीसदी की बचत की है। इससे कंपनी को कीमतों के मामले प्रतिस्पर्धी रुख अपनाने का मौका मिला है। कंपनी का कहना है कि दमदार परफॉर्मेंस बनाए रखकर, लागत कम की है। फिलहाल एक्स शो रूम कीमत 2.60 लाख से 2.80 लाख कर होना संभावित है। कंपनी का दावा है कि पॉवर क्षमता कम होने के बावजूद ये बाइक्स दिखने और चलाने में मौजूदा 390सीसी बाइक्स से काफी मिलती-जुलती होंगी। कंपनी स्टाइल, आक्रामक लुक और दमदार इंजन की खूबियां बरकरार रहने का भरोसा दिला रही है। बस इंजन का आकार थोड़ा छोटा (शॉर्ट स्ट्रोक) होगा, लेकिन केटीएम का मूल अनुभव बरकरार रहेगा। माना जा रहा है कि केटीएम ड्यूक 350 एडवेंचर बाइक प्रेमियों के लिए वह बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती है, जिसकी उन्हें जरूरत थी।

फरारी की सुपर लग्जरी कार '849 टेस्टारोसा'

भारत में लग्जरी और सुपरकारों की तेजी से बढ़ती मांग को देखते हुए फरारी ने अपनी नई फ्लैगशिप सुपर कार '849 टेस्टारोसा' को देश में लॉन्च कर दिया है। यह कार कंपनी की पॉपुलर सुपरकार एसएफ 90 स्ट्राडेल की जगह लेगी। फरारी 849 टेस्टारोसा परफॉर्मेंस और लग्जरी दोनों मामलों में काफी खास रहने वाली है। इस नई सुपरकार को मॉडर्न टेक्नोलॉजी और प्रीमियम फीचर्स के साथ शानदार डिजाइन और पावरफुल इंजन के साथ पेश किया गया है। इस कार में 16 इंच का बड़ा डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया गया है, जिससे ड्राइवर को सारी जरूरी जानकारी आसानी से मिल जाती है। इसके अलावा इसमें 9 इंच का टचस्क्रीन डिस्प्ले भी है। यह सिस्टम वायरलेस एन्ड्रायड ऑटो और एपल कारप्ले को सपोर्ट करता है, जिससे स्मार्टफोन आसानी से कनेक्ट किया जा सकता है। कार में 7 स्पीकर वाला ऑडियो सिस्टम भी दिया गया है, जो बेहतरीन साउंड क्वालिटी का अनुभव कराता है। प्रीमियम इंटीरियर, मॉडर्न डिजाइन और एलईडी हेडलाइट्स जैसे शानदार फीचर्स इस सुपरकार को लग्जरी और टेक्नोलॉजी का बेहतरीन कॉम्बिनेशन बनाते हैं। रफ्तार के मामले यह कार यह सिर्फ 2.3 सेकंड में 100 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड पकड़ लेती है। इसकी टॉप स्पीड 330 किलोमीटर प्रति घंटा है। माना जा रहा है कि फरारी 849 टेस्टारोसा का भारत में मुकाबला लैंबॉर्गिनी रेव्यूल्टो से होगा। फिलहाल फरारी ने अपनी इस कार की एक्स-शोरूम कीमत 10.38 करोड़ रुपये के आसपास रखी है। कार की डिलीवरी अगले दो माह के भीतर शुरू कर दी जाएगी।

मारुति लाएगी नई मॉडर्न व स्टाइलिश 7-सीटर ई-कार

मारुति सुजुकी अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार ई-विटारा के बाद अब एक नई 7-सीटर इलेक्ट्रिक कार उतारने की तैयारी में जुट गई है। यह नई मॉडर्न और स्टाइलिश कार MPV सेगमेंट में उतारी जाएगी। कंपनी की योजना साल 2030 तक देश के बाजार में अपने मॉडल्स की संख्या बढ़ाकर बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाने की है, जिसमें इलेक्ट्रिक कारों का बड़ा हिस्सा होगा। अपनी नई 7-सीटर ईवी को कंपनी YMC कोडनेम दिया गया है और यह 27पीएल प्लेटफॉर्म पर तैयार की जा रही है। माना जा रहा है कि इस कार में जापान में बिकने वाली सुजुकी स्पेसिया की झलक देखने को मिलेगी। इस नई इलेक्ट्रिक MPV का डिजाइन थोड़ा बॉक्सी हो सकता है, ताकि लोगों को अंदर थोड़ी ज्यादा जगह मिल सके। इसके लिए तीन पंक्तियों में इस तरह सीटिंग दी जाएगी, जिससे 7 लोग आराम से बैठ सकें। इस कार के बारे में जो जानकारी सामने आई है, उसके मुताबिक चौकोर हेडलाइट्स, बड़ी ब्लैक ग्रिल पर क्रोम फिनिश और बड़ा मजबूत बंपर दिया जाएगा। भले ही इस कार में स्लाइडिंग डोर न दिए जाएं, लेकिन डिजाइन में बलेनो और फ्रांक्स के कुछ फीचर्स देखने को मिल सकते हैं। इस कार में 49kWh और 61kWh बैटरी पैक के विकल्प मिल सकते हैं। छोटी बैटरी के साथ 440 किमी और बड़ी बैटरी के साथ 543 किमी की रेंज मिलने की उम्मीद है। इसमें वही पावरट्रेन इस्तेमाल किया जाएगा जो ई-विटारा में दिया गया है। मारुति की यह कार अगले साल लॉन्च होने की उम्मीद जताई जा रही है।

36 हजार करोड़ से ज्यादा का ऑटो रिक्शा बाजार

कॉम्पैक्ट डिजाइन, संकरी गलियों में सुगमता और कम दूरी की यात्रा में उपयोगिता के कारण ऑटो रिक्शा (थ्री व्हीलर) अब देश के छोटे-छोटे शहरों में परिवहन का महत्वपूर्ण सर्व सुलभ साधन बन चुके हैं। बड़े शहरों में भी यातायात जाम वाले तथा बड़े वाहनों के लिए प्रतिबंध वाले इलाकों में आवाजाही और माल ढुलाई में ऑटो रिक्शा महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। आर्थिक और पर्यावरणीय लाभों के चलते देश में ऑटो रिक्शा का बाजार जो कि साल 2025 में लगभग 36,000 करोड़ रुपये था, इसके 2031 तक 70,000 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है। इस बढ़ती मांग में मुख्य रूप से इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा का रुझान तेजी से बढ़ रहा है। इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा की हिस्सेदारी 2030 तक 65-75% तक होने का अनुमान है। बजाज ऑटो इस बाजार का अग्रणी ब्रांड है, जो 60% से अधिक हिस्सेदारी रखता है। इसके बाद महिंद्रा और पियाजियो का स्थान है। पिछले वित्त वर्ष में ऑटो रिक्शा की बिक्री ने करीब 8 लाख यूनिट्स के साथ एक नया रिकॉर्ड बनाया था। इस आंकड़े के साथ भारत दुनिया का सबसे बड़ा इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर बाजार बन गया है। 2025 में वैश्विक इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर बिक्री में भारत की हिस्सेदारी करीब 60% रही है।

दुनिया को 'ऑटो रिक्शा' शब्द भारत ने दिया

- ऑटो रिक्शा से हर किसी की यादें जुड़ी हैं। दुनिया को 'ऑटो रिक्शा' शब्द भारत की ही देन है। वर्ष 1947 में भारत को अंग्रेजों से आजादी मिली और कई उद्योगपतियों ने देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम शुरू किया। वर्ष 1948 में फिरोडिया ने देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू को अपना ऑटो-रिक्शा दिखाया। फिरोडिया ने इसके लिए उस समय बछराज ट्रेडिंग कारपोरेशन के के साथ जॉइंट वेंचर बनाया था, बाद में यही कंपनी बजाज ऑटो के नाम से जानी गई। उस समय देश में उत्पादन के लिए लाइसेंस लेना होता था।